भाकृअनुप - केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753006

कृषि सलाहकार सेवा

अप्रैल 2025 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

- खेत में पीला तना छेदक या पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए 3 फीरोमोन जाल प्रति एकड़ बिठाएं। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ की दर से घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/ एकड़ की दर से प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में टेट्रानिलिप्रोल 200 ग्राम/ लीटर एससी 100-120 मिलि लीटर/ एकड़ की दर से या क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एसएसी 60 मिलि लीटर/ एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- रोपाई किए गए चावल में बाली निकलने की चरण में 35 किलोग्राम यूरिया के साथ म्यूरेट ऑफ पोटाश 11 किलोग्राम/एकड़ कर दर से प्रयोग करें। आर्द्र सीधी बुआई चावल में निकलने की चरण में 22 किलोग्राम यूरिया के साथ म्यूरेट ऑफ पोटाश 11 किलोग्राम/ एकड़ दर सहित प्रयोग करें।
- खेत में भूरा धब्बा संक्रमण के मामले में, नियंत्रण हेतु मांकोजेब 500 ग्राम प्रति हैक्टर या प्रोपीकोनाजोल 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- ओडिशा में अप्रैल के पहले पखवाड़े में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा और धीरे-धीरे बढ़ेगा। उच्च तापमान एवं रुक-रुक कर गरज के साथ बौछार के बाद भूरा पौध माहू के संक्रमण के लिए अनुकूल है। यदि भूरा पौध माहू कीटों की आर्थिक सीमा अर्थात 5-10 कीटें/पूंजा से अधिक है तो खेत को बारी-बारे से गीला करने एवं सुखाते हुए पौधे की सूक्ष्म परिवेश को बदलने की सलाह दी जाती है और लंबे समय तक खड़े पानी नहीं होना चाहिए। यदि समस्या बनी रहती है तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ की दर से ईसी घोल छिड़काव करें या ट्रायफ्लूमेजोपायरिम 10% एससी95 ग्राम/एकड़ या पायमेट्रोजाइन 50% डब्ल्यूजी ग्राम/एकड़ की दर से या डीनोटेफ्यूरान 20% एसजी ग्राम/एकड़ इमिडाक्प्रिड 17.8%

एसएल 50 मिलीलीटर/एकड़ या एसीफेट 75% एसपी 400 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए केवल अनुशंसित कीटनाशकों का उचित मात्रा पर उपयोग करें।

- यदि प्रध्वंस रोग का प्रकोप देखा जाता है, तो ट्राईफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% + टेबुकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में या एडिफेनफॉस 50 ईसी 200 मिली प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में या कसुगामाइसिन 3 एसएल 500 मिली प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- जीवाणुज अंगमारी संक्रमण के मामले में प्लांटोमाइसिन 1 ग्राम / लीटर के साथ कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 1 ग्राम / लीटर पानी की दर से 200 लीटर प्रति एकड़ घोल का उपयोग करें।
- यदि गंधी बग की कीटें 2 कीटें/पूंजा से अधिक है तो इथोफेनोप्रॉक्स 10ईसी 200 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल का छिड़काव करें या मालाथियन 5डी 10 किग्रा/एकड़ दर से सुबह के समय जब हवा बिल्कुल न हो या कम हवा हो, पूरे खेत में एकसमान झाड़ दें।
- इल्ली संक्रमण दिखाई देने पर, क्वीनालफास 25ईसी 400 मिली/एकड़ दर से या क्लोरपायरीफास 20ईसी 500 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल का छिड़काव करें। इसे सुबह के समय धान पौधों के मूल में प्रयोग किया जाना चाहिए।
- धान के खेतों में मिट्टी में उपलब्ध नमी के साथ ग्रीष्मकालीन जुताई करें।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।